विजय रंजन

(कृपया पृष्ठ उलटिए)

जीवन–वृत्त

विजय रंजन

नाम : **विजय रंजन**
(मूल नाम विजयप्रताप सिंह, लेखकीय उपनाम 'रंजन')
संक्षिप्तीकरण हेतु वी0 पी0 एस0 रंजन, वी0 पी0 रंजन, तदन्तर विजय रंजन

जन्मतिथि : 17–5–1949 (सत्रह मई उन्नीस सौ उन्चास)

जन्म–स्थान : गोण्डा (उत्तर प्रदेश)

माता–पिता : (स्वर्गीय) विद्यावती देवी, (स्वर्गीय) कृष्णप्रताप सिंह

शैक्षिक योग्यता : बी० एससी०, एलएल० बी०

व्यवसाय :
(1) 1985 से अधिवक्ता : दीवानी,/श्रम/आयुक्त न्यायालय, फैजाबाद
(2) ग्राम बनगवाँ (जनपद गोण्डा) में कृषि–कार्य

साहित्यिक लब्धियाँ

(क) **प्रकाशित कृतियाँ**–

1. **सूरज की आग** (1981), 2. **उभरते बिम्ब** (2013)..................कहानी संग्रह
3. **हाशिए से** (1986), 4. **'किर्चें'** (2009) ....कविता संग्रह

समालोचना कृतियाँ:

5. **साहित्यिक तुला पर वाल्मीकि–रामायण** (2012)
6. **रसवाद औ..र नयरस** (2014)
7.. **कविता का पश्यन्ती निकष : नयत्व** (2014)
8. **कविता क्या है** (2015)
9. **क्या है भारत क्या है भारतीयता** (2019)

(ख) पाण्डुलिपित कृतियाँ–

1. **वाल्मीकीय राम पर आक्षेप : कितने अनुचित कितने उचित**
2. **भारतीय राष्ट्रवाद : एक विशिष्ट विमर्श**
3. **भारतीय राष्ट्रवाद : क्या, क्यों, कैसे**
4. **आदि–महाकवि वाल्मीकि के 10 अप्रतिम साहित्यिक अवदान**
5. **भारतीय संस्कृति के आदि–महागायक वाल्मीकि का कालखण्ड**
6. **टुकड़े–टुकड़े** (लघुकथा संग्रह)
7. **गीत तुम्हारे नाम** (गीत–नवगीत संग्रह)
8. **दर्पण तीरे** (गजल–हिन्दी गजल संग्रह)
9. **मुट्ठी भर आकाश** (अकविता संग्रह)
10. **आवाज** (ज्ञापन सह आलेख–संग्रह)
11. **विश्वविजय–पथ पर हिन्दी**
12. **भारतीय शिक्षा–व्यवस्था : सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक पक्ष**

(ग) **प्रणयन गतिमान** –

• समालोचना कृतियाँ–

1. **अयोध्या के बहाने से**
2. **कायस्थ कौन ?**
3. **आतंकवाद : कारण और निवारण**
4. **भारतीय न्यायशास्त्र : सैद्धान्तिक और व्यवहारिक पक्ष**
5. **'भारतीय संस्कृति : एक दृष्टि यह भी'**
6. **'हिन्दू संस्कृति सर्वश्रेष्ठ क्यों'**
7. **'राष्ट्रवाद औ...र हमारे राजनेता'**
8. **साहित्य का क ख ग...**
9. **गोस्वामी तुलसीदास का स्वान्तःसुखाय**
10. **वाल्मीकि, तुलसी और कबीर**
11. **अक्षर–आराधना के प्रकाशस्रोत**

- उपन्यास– 1. **आगमन** 2. **तलाश** 3. **टकराव** 4. **नौ बहनें**
- कहानी संग्रह – 1. **धरती क्षितिज में** 2. **प्रतिशोध**
- समीक्षा कृति – **आर–पार**
- साक्षात्कार–संग्रह – **आमने–सामने**
- आलेख–संग्रह – 1. **वातायन से** 2. **गवाक्ष की साक्षी** 3. **दृष्टि–उन्मेष** 4. **आँगन में** 5. **दीवार के पार** 6. **आस–पास** 7. **फुलवारी** 8. **दहलीज पर** 9. **झरोखों से**

(घ) **सम्पादित कृतियाँ** –

प्रकाशित : 1. **नवकहानियाँ**' ....कहानी संकलन (1981)
2. **प्रश्नोत्तर** .... काव्य–संग्रह (1990)

पाण्डुलिपित/अप्रकाशित :

1. **गाँधी सर्वदा प्रासंगिक**
2. **समाजचेता कबीर**
3. **अप्रतिम समाजवादी आचार्य नरेन्द्रदेव**
4. **ज्योर्तिपुंज विवेकानन्द**
5. **लघुकथा : क्या, क्यों, कैसे**
6. **हिन्दी गजल : क्या, क्यों, कैसे**
7. **बाल–साहित्य : क्या, क्यों, कैसे**
8. **विज्ञान–कथा : क्या, क्यों, कैसे**
9. **भारतीय समाजवादी आन्दोलन के शक्तिपुंज**

(च) **प्रमुख सहलेखित कृतियाँ**–

- **तिर्यक** (काव्य–संकलन) : संपादक कलीम आनन्द
  प्रकाशक : अवध–अर्चना प्रकाशन, फैजाबाद
- **स्वर–त्रयी** (काव्य–संकलन) : संपा0 ओम प्रकाश गुप्त, चन्द्रप्रकाश माया
  प्रकाशक : भारतीय साहित्य–प्रकाशन संस्थान, पटना
- **अवधी ग्रन्थावली** (काव्य–संकलन) : संपा0 डॉ0 जगदीश पीयूष
  प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- **गुलिस्ताने अदब** (काव्य–संकलन) : संपा0 कलीम आनन्द
  प्रकाशक : साधना प्रकाशन, दिल्ली
- **महिला हिंसा का अन्त : कल आज और कल** : संपा0 डॉ0 प्रत्यूष गुंजन
  प्रकाशक : भारती पब्लिकेशन्स, दिल्ली
- **आधुनिक भारतीय शिक्षा : एक विवेचन** : संपा0 डॉ0 गौरीशंकर पाण्डेय
  प्रकाशक : सरिता लोक सेवा संस्थान, सुल्तानपुर

कुल 66 कृतियाँ

(कृपया पृष्ठ उलटिए)

अन्य लब्धियाँ

(अ) संपादन–प्रकाशन –
- 2 अक्टूबर 1976 से 'अवध–अर्चना' मासिक समाचार–पत्र का संपादन–प्रकाशन।
- जनवरी 1977–1989 में 'अवध–अर्चना' साप्ताहिक समाचारपत्र का संपादन–प्रकाशन।
- अप्रैल 1995 से अद्यतन 'अवध–अर्चना' त्रैमासिक का अनवरत संपादन। अवध–अर्चना के विशिष्ट अंक यथा– तुलसी अंक, गाँधी अंक, विवेकानन्द अंक, आचार्य नरेन्द्रदेव अंक, लघुकथा अंक, बालसाहित्य अंक, हिन्दी गजल अंक, अयोध्या अंक, कबीर अंक, विज्ञानकथा अंक, उपयोगी विज्ञान अंक, भारतीय समाजवादी आन्दोलन के तीन शक्तिपुंज अंक, राजभाषा अंक, पूर्वोत्तर भारत अंक 1 व 2 का सम्पादन।
- पत्रिका 'अवध–अर्चना' R.N.I., I.S.S.N. द्वारा सूचीबद्ध।
- पत्रिका '**अवध–अर्चना**' **उ0 प्र0 हिन्दी संस्थान**, लखनऊ से 2015 में **पुरस्कृत**।
- 'अवध–अर्चना' अंक 93 से अद्यतन www.awadharchana.com पर भी उपलब्ध।

(ब) सह संपादन/सम्बद्धता– 1975 में '**युगगति**' (साप्ताहिक), 1994 में '**अवधी**' (पत्रिका), 1995–97 '**तुलसीदल**' (पत्रिका) का **सह–सम्पादन**। 1965–66 में '**विचारभारती**' (साप्ताहिक), 1975–85 में '**छात्रमोर्चा** (समाचार–पत्र)', '**साकेत शोभा**' (दैनिक), '**अवध शोभा**' (दैनिक) एवं '**सुवर्णी**' (पत्रिका), **शिक्षा–सम्वाद, शिक्षा–साहित्य, लोकमंगल** (पत्रिका) से **सम्बद्ध**।

(स) रचना–प्रसारण – आकाशवाणी के लखनऊ और फैजाबाद केन्द्रों से समय–समय पर कविता, कहानी, वार्त्ता, आलेख आदि रचनाओं का प्रसारण।

(द) काव्यपाठ – आकाशवाणी लखनऊ एवं अन्य काव्य मंच कानपुर, ग्वालियर, आगरा, इलाहाबाद, गोण्डा, फैजाबाद, सुल्तानपुर आदि में विभिन्न अवसरों पर काव्यपाठ।

(य) संगोष्ठी/सम्मेलन व्याख्यान –

1. वर्ष 1997 में 'साहित्य परिषद का0 सु0 साकेत पी0 जी0 महाविद्यालय फैजाबाद में **'तुलसी का जीवन–दर्शन'** विषय पर।

2. वर्ष 1997 में अवध–अर्चना प्रकाशन फैजाबाद के तत्त्वावधान में प्रेस–क्लब फैजाबाद में '**गजल और हिन्दी गजल**' विषय पर।

3. वर्ष 1998 में सेनानी परिषद विद्यालय, हल्द्वानी में '**आ०नरेन्द्रदेव की प्रासंगिकता**' विषय पर।

4. वर्ष 2000 में डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद में **'सामाजिक विकास में विधि का योगदान'** विषय पर।

5. वर्ष 2003 में डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद में **'भारतीय इतिहास का विकृतिकरण'** विषय पर।

6. वर्ष 2006 में कबीर संस्थान जीयनपुर में '**कबीर आज भी उपयोगी'** विषय पर।

7. वर्ष 2008 में अवधभारती हैदरगढ़ बाराबंकी में **'अवधी भाषासाहित्य :विविध संदर्भ**' विषय पर।

8. वर्ष 2008 में अवध–अर्चना प्रकाशन फैजाबाद के तत्त्वावधान में फैजाबाद में '**आज का दौर और कविता**' विषय पर।

9. वर्ष 2012 में रामकथा संग्रहालय अयोध्या में **वाल्मीकि के राम'** विषय पर।

10. वर्ष 2014 में कथा समवेत-संवाद समारोह,सुल्तानपुर में '**समय, समाज और हिन्दी कहानी**' विषय पर।

11. वर्ष 2015 में फैजाबाद पुस्तक मेला में ग्रेटर रोटरी क्लब के तत्वावधान में **लघुकथा–लेखन**' विषय पर।

12. वर्ष 2016 में साहित्य मण्डल श्रीनाथद्वारा, राजस्थान के समारोह में '**भारतीय संस्कृति की संवाहक विश्वभाषा हिन्दी तथा उसका राजभाषा स्वरूप**' विषय पर।

13. वर्ष 2018 में 'श्रीभागवत अकादमी' एवं साहित्यिक संस्था 'संभव' फैजाबाद–अयोध्या के तत्त्वावधान में 'अवध–अर्चना' कार्यालय पर '**राष्ट्रवाद आवश्यक क्यों**' विषय पर।

14. वर्ष 2018 में राजा मोहन गर्ल्स पी० जी० कालेज, फैजाबाद–अयोध्या में राजा मोहन गर्ल्स पी० जी० कालेज, फैजाबाद अयोध्या के तत्त्वावधान में '**राष्ट्रवाद की प्रासंगिकता**' विषय पर।

15. वर्ष 2019 में डॉ०राम मनोहर लोहिया अवध–विश्वविद्यालय, फैजाबाद में डॉ०राम मनोहर लोहिया अवध–विश्वविद्यालय, फैजाबाद–अयोध्या (उ०प्र०) और कौण्डिन्य साहित्य सेवा समिति, सुल्तानपुर के तत्त्वावधान में '**अभिज्ञानशाकुन्तलम् और कामायनी के तुलनात्मक संदर्भ**' विषय पर।

16. वर्ष 2020 (22–24 फरवरी) में लखनऊ विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित 'भारतीय भाषा महोत्सव 2020' के राष्ट्रीय सम्मेलन में 'राष्ट्रीय संस्कृति की अवधारणा' सत्र में '**भारतीय राष्ट्रवाद**' विषय पर।

17. वर्ष 2020 में माह मार्च में रामायण मेला समिति के तत्त्वावधान में आयोजित '**रामकथा का वैश्विक स्वरूप**' विषय पर।

(र) सम्मान/पुरस्कार–

2019 : • **कौण्डिन्य साहित्य सेवा समिति, सुल्तानपुर द्वारा 'राष्ट्र–गौरव'** सम्मान।

2018 : • **राजा मोहन गर्ल्स पी० जी० कालेज, फैजाबाद–अयोध्या** द्वारा सारस्वत सम्मान।

• **विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, गाँधी नगर, ईशीपुर, भागलपुर (बिहार)** द्वारा मानद उपाधि **'विद्यावाचस्पति'**।

• **अयोध्या–महोत्सव 2018** में **'फैजाबाद–रत्न'** सम्मान।

2017 : • **उ० प्र० हिन्दी संस्थान लखनऊ** द्वारा **'साहित्यभूषण सम्मान 2016'**।

• **साहित्यिक सांस्कृतिक कला संगम अकादमी, परियावाँ, प्रतापगढ़ (उ०प्र०)** द्वारा **'साहित्य मार्त्तण्ड 2017'** मानद उपाधि।

2016 : **साहित्य मण्डल, नाथद्वारा, राजस्थान** द्वारा **'हिन्दी साहित्य विभूषण 2016'** मानद उपाधि

2015 : • **उ० प्र० हिन्दी संस्थान, लखनऊ** द्वारा **'सरस्वती पुरस्कार 2014'**।

• **आचार्य विश्वनाथ पाठक शोध संस्थान फैजाबाद** द्वारा **'आपस सम्मान'**।

• **विवेकानन्द शैक्षिक, सांस्कृतिक, क्रीड़ा संगठन (VECSO), झारखण्ड** एवं **योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट केरल,** द्वारा **'राष्ट्रीय शिखर सम्मान'** हेतु चयनित।

• **भारतीय वाङ्मय पीठ कोलकाता** द्वारा **'स्वामी विवेकानन्द पत्रकार रत्न'** मानदउपाधि

• **भारतीय वाङ्मय पीठ कोलकाता** द्वारा **'साहित्य शिरोमणि'** मानद उपाधि ।

2014 • **हिन्दी प्रचार–प्रसार सेवा संस्थान, अयोध्या–फैजाबाद** द्वारा **'हिन्दी गौरव सम्मान'**।

• **सरिता लोकसेवा संस्थान, सुल्तानपुर** द्वारा **'भाषा–भूषण अलंकार '**।

2013 : **साकेत नाट्यम् फैजाबाद** द्वारा **डॉ० राधिकाप्रसाद त्रिपाठी स्मृति सम्मान।**

2012 : **पूर्वोत्तर हिन्दी अकादमी, शिलांग** द्वारा **डॉ० महाराज कृष्ण जैन सम्मान** हेतु चयनित।

2010 : **साकेतन, फैजाबाद** द्वारा **साकेतन सम्मान।**

2008 : **अवध भारती हैदरगढ़, बाराबंकी (उ०प्र०)** द्वारा **अवधश्री सम्मान।**

2007 : **कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय एवं सृजन सम्मान संस्था, रायपुर** (छत्तीसगढ़) द्वारा **सृजन–सम्मान** के लिए चयनित।

1998, 1999, 2000, 2004, 2009 : **अमेरिकन बॉयोग्राफिकल इंस्टीट्यूट, अमेरिका** के विभिन्न सम्मानों के लिए चयनित।

2003 : • **अमेरिकन बॉयोग्राफिकल इंस्टीट्यूट, अमेरिका** के **बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स** में **मानद सदस्य** मनोनीत।

• **राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद, प्रयाग** द्वारा **'साहित्य–प्रवीण'** मानद उपाधि।

• **अखिल भारतीय कायस्थ सभा, फैजाबाद** द्वारा **'प्रेमचन्द सम्मान'**।

• **सेवा समिति फैजाबाद** द्वारा **'आचार्य नरेन्द्रदेव स्मृति सम्मान'**।

2002 : **महाराष्ट्र दलित साहित्य अकादमी, भुसावल (महाराष्ट्र)** द्वारा **'प्रेमचन्द लेखक पुरस्कार'**।

1998 : **भारतीय हिन्दी भाषा सम्मेलन, भागलपुर (बिहार)** द्वारा **'साहित्य मार्त्तण्ड'** मानद उपाधि

1978 : **अगीत परिषद लखनऊ** द्वारा **'दुलारे लाल भार्गव सम्मान'** ।

(व) विशेष –

• 1976 में द्वितीय विश्व हिन्दी सम्मेलन, मारीशस के लिए कार्यकारी उच्चायुक्त मारीशस उच्चायोग नई दिल्ली द्वारा आमन्त्रित। अपरिहार्य निजी कारणों से सहभागिता से वंचित।

• प्रकाशित कृतियाँ लगभग 300 समीक्षकों एवं साहित्यकारों द्वारा प्रशंसित। यथा–
प्रो० डॉ० **सूर्यप्रसाद दीक्षित** (लखनऊ वि० वि०), प्रो० डॉ० **श्यामलाल उपाध्याय** (कोलकाता), डॉ० **सुरेश पण्डित** (अलवर, राजस्थान), प्रो० डॉ० **वशिष्ठ अनूप** (वाराणसी वि० वि०), **उदयप्रताप सिंह** (पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, उ० प्र० हिन्दी संस्थान, लखनऊ), डॉ० **अमिता दुबे** (सहायक निदेशक, उ० प्र० हिन्दी संस्थान, लखनऊ), **केवल गोस्वामी** (दिल्ली), **प्रभुदयाल मिश्र** (भोपाल), डॉ० **विश्वनाथदास शास्त्री** (अयोध्या), डॉ० **कौशलेन्द्र पाण्डेय** (लखनऊ), डॉ० **सत्यप्रकाश त्रिपाठी** (विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, बी०एन०के०बी०पी०जी०कालेज, अम्बेडकरनगर), डॉ० **आनन्द प्रकाश त्रिपाठी** (विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग, हरिसिंह गौर वि० वि०,सागर), डॉ० **ललित शुक्ल** (दिल्ली), प्रो० डॉ० **जय सिंह 'नीरद'** (आगरा), डॉ० **हरीलाल मिलन** (कानपुर), डॉ० **इन्द्रभूषण 'देवेन्दु'** (भागलपुर), **सुनील कुमार** (नेहू ,

शिलांग, मेघालय), डॉ० **विनयदास** (बाराबंकी), प्रो०डॉ० **जितेन्द्र श्रीवास्तव** (इग्नू , दिल्ली), डॉ० **कमलनयन पाण्डेय** (संपा० 'युगतेवर' ,सुल्तानपुर), डॉ० **ओमप्रकाश तिवारी** (मुम्बई), डॉ० **भारत यायावर** (जबलपुर), **एम० रंगैय्या 'अनुवादश्री'** (सिकन्दराबाद, आन्ध्र पदेश), डॉ० **दामोदर दीक्षित** (लखनऊ), डॉ० **जरीन नजर** (प्राचार्या, राजा मोहन गर्ल्स महाविद्यालय, फैजाबाद), डॉ० **ध्रुव शुक्ल** (भोपाल), प्रो० डॉ० **जगन्नाथ त्रिपाठी 'जलज'** (फैजाबाद), डॉ० **सुधा राय** (राजा मोहन गर्ल्स महाविद्यालय, फैजाबाद), डॉ० **शोभा सत्यदेव** (प्रो० का०सु० साकेत पी०जी० कालेज, फैजाबाद), प्रो०डॉ० **नित्यानन्द श्रीवास्तव** (गोरखपुर), डॉ0 **रामसनेहीलाल शर्मा 'यायावर'** (फीरोजाबाद), **दयानन्द सिंह 'मृदुल'** (अध्यक्ष 'रजनीगंधा', फैजाबाद), डॉ० **मधुर नज्मी** (निदेशक 'काव्यमुखी संस्थान' मऊ), **अशोक पाण्डेय अनहद** (लखनऊ), डॉ० **रजनी सिंह** (डिबाई, अलीगढ़), **स्वप्निल श्रीवास्तव** (फैजाबाद) डॉ० **गौरीशंकर पाण्डेय** (संपा० शिक्षा साहित्य फैजाबाद), डॉ० **सूर्यपाल सिंह** (संपा० पूर्वापर, गोण्डा), **अजय मिश्र 'अजर'** (गोण्डा), डॉ० **अशोक शर्मा** (लखनऊ), डॉ० **नीतू शर्मा** (एसो० प्रो० आई०टी० कालेज, लखनऊ), डॉ० **शारदा लाल** (लखनऊ), डॉ० **ब्रजेश** (संपा० सृजन संवाद), डॉ० **राम प्रसाद मिश्र** (पूर्व प्राचार्य त्रिदण्डिदेव संस्कृत महाविद्यालय, अयोध्या), डॉ० **ऊषा चौधरी** (लखनऊ), **अजिता त्रिपाठी** (शान्ति निकेतन, प० बंगाल), **केशव शरण** (वाराणसी), डॉ० **किरण मिश्र** (सदस्य, साहित्य अकादमी, मुम्बई), डॉ० **शरद नारायण खरे** (प्रो० शासकीय महिला महाविद्यालय, मण्डला, म०प्र०), डॉ0 **कृष्णमणि चतुर्वेदी 'मैत्रेय'** (सुल्तानपुर), डॉ0 **महेश दिवाकर** (संस्थापक, अध्यक्ष 'अन्तरराष्ट्रीय साहित्य कला मंच', मुरादाबाद), डॉ० **सुशील कुमार पाण्डेय 'साहित्येन्दु'** (सुल्तानपुर), डॉ० **वीरेन्द्र शर्मा** (पूर्व भारतीय राजदूत कजाकिस्तान), **नन्द चतुर्वेदी** (उदयपुर, राज०), डॉ० **अजय प्रसून** (लखनऊ), प्रो० डॉ० **शैलेन्द्र त्रिपाठी** (शान्तिनिकेतन, प० बंगाल), डॉ० **सत्येन्द्र रघुवंशी** (पूर्व गृहसचिव, उ०प्र०),प्रो०डॉ० **नलिनी पुरोहित** (बड़ोदरा, गुजरात), **विनोदशंकर चौबे** (पूर्व अध्यक्ष, आई० ए० एस० एसोसिएशन, लखनऊ), **महेश पुनेठा** (पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड), प्रो० डॉ० **के० सी० लाल** (गोरखपुर वि0 वि०), डॉ० **कुमार अनुपम** (साहित्य अकादमी, दिल्ली), डॉ० **प्रेमशंकर त्रिपाठी** (कोलकाता), डॉ० **नन्दकिशोर पाण्डेय** (निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा), प्रो० डॉ० **हेमराज मीणा** (केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा), **शीलेन्द्र कुमार वशिष्ठ** (आगरा), डॉ० **मनोज दीक्षित** (कुलपति, डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, अयोध्या), **शिवम् तिवारी** (मुम्बई), **मनोज तिवारी** (कोच्चि, केरल), प्रो० डॉ० **रामकृष्ण जायसवाल** (अयोध्या), **छाया सिंह** (बाँदा), डॉ० **वेदप्रकाश अमिताभ** (अलीगढ़), **जगदीश श्रीवास्तव** (सुल्तानपुर), **त्रिभुवन नारायण श्रीवास्तव** (नई दिल्ली), डॉ० प्रो० **प्रणव शास्त्री** (पीलीभीत), डॉ० **त्रिभुवननाथ शुक्ल**, (जबलपुर), डॉ० **आलोक सिंह** (नेहू, शिलांग), डॉ० **सिकन्दर लाल** (प्रतापगढ़), डॉ० **दिग्विजय शर्मा** (आगरा), डॉ० **दिव्या माथुर** (लंदन),डॉ० **हरिमोहन बुधौलिया** (उज्जैन), डॉ० **सत्यप्रकाश पाल** (ईटानगर), डॉ०**इन्द्रशेखर तत्पुरुष** (जयपुर), डॉ० **उदयप्रताप सिंह** (प्रयागराज), **सभापति मिश्र** (प्रयागराज), डॉ० **विद्याकेशव चिटको** (कैलिफोर्निया), **डॉ० सुरेशचन्द्र शुक्ल** (नार्वे), **डॉ० उषा राजे सक्सेना** (लंदन), **उमाशंकर 'अंकल**' (फैजाबाद), डॉ० **ललितमोहन पाण्डेय** (फैजाबाद), **प्रो० डॉ० रामदेव शुक्ल** (गोरखपुर), **प्रगति श्रीवास्तव** (आजमगढ़) आदि।

सम्पर्क सूत्र –

वर्तमान पता : अधिवक्ता/संपादक 'अवध–अर्चना' त्रैमा०
4/14/41 ए महताब बाग, अवधपुरी कालोनी, फेज–2 फैजाबाद–224001 (उ०प्र०)
स्थायी पता : ग्राम, पत्रालय : बनगवाँ (निकट गौरा चौकी), गोण्डा (उ०प्र०–भारत)
दूरभाष संख्या : 09415056438, 08874830492
ई–मेल : ranjanvijay82@gmail.com
ब्लॉग : www.awadharchanafaizabad.blogspot.com
वेबसाइट : www.awadharchana.com

(कृपया पृष्ठ उलटिए)

विजय रंजन की साहित्य–साधना : एक विहंगावलोकन

(क) रचना–कर्म का विवरण

क्रम सं०	श्रेणी	कुल
I	**मौलिक पुस्तकें** : 9 प्रकाशित, 12 पाण्डुलिपित, 28 कृतियाँ–लेखन प्रगतिमान (विवरण के लिए कृपया देखें संलग्नक जीवनवृत्त।)	49
II	**संपादित पुस्तकें** : 2 प्रकाशित, 9 कृतियाँ अप्रकाशित (विवरण के लिए संलग्नक जीवनवृत्त देखें।)	11
III	**सहलेखित पुस्तकें** : 6 , प्रकाशित (विवरण के लिए देखें संलग्नक जीवनवृत्त)	6
		66 कृतियाँ
IV	**संपादित पत्र–पत्रिकाएँ** : 'अवध–अर्चना 'संपादित, 8 सह–संपादित (विवरण के लिए देखें संलग्नक जीवनवृत्त)	लगभग 470 रचनाएँ प्रकाशित
V	**प्रकाशित शोधपत्र / आलेख / संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला–प्रस्तुतियाँ** : लगभग 200 शोधपरक आलेख प्रकाशित, 17 संगोष्ठी सम्मेलन, कार्यशाला–प्रस्तुति 1 (विवरण के लिए संलग्नक जीवनवृत्त देखें।)	
VI	**स्फुट प्रकाशन / प्रसारण** : लगभग 270 आलेख, कविताएँ, कहानियाँ, लघुकथाएँ, फीचर आदि राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित। **आकाशवाणी** फैजाबाद एवं लखनऊ से कविता / कहानी / आलेख प्रसारित।	

(ख) प्रकाशित मौलिक कृतियाँ एवं उनके वर्ण्य विषय

क्रम सं०	कृति का नाम	प्रकाशक	प्रकाशन वर्ष	ISBN No. (यदि हो तो)	कृति का वर्ण्य विषय
I	**क्या है भारत क्या है भारतीयता**	आचार्य विश्वनाथ पाठक शोध संस्थान, फैजाबाद, अयोध्या	2019	978–81–937139–2–1	भारत और भारतीय के नामकरण, भारत का प्राचीन राष्ट्रत्व, राष्ट्रीय चरित्र, वास्तविक स्वरूप एवं भारतीयता की परिभाषा विवेचित।
II	**कविता क्या है**	सरिता लोकसेवा संस्थान, सुल्तानपुर	2015	978–93–82180–06–7	कविता–उद्भव, कविता–तत्त्व आदि की विवेचना समेत भारतीय मानकों के अनुसार कविता की नवीन परिभाषा प्रस्तावित।
III	**कविता का पश्यन्ती निकष : नयत्व**	भारती पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, फैजाबाद	2014	978–93–81797–72–3	हिन्दी–समालोचना जगत् में वर्तमान में विस्मृत कर दिए गए प्राचीन भारतीय निकष 'नय' को पुनर्जीवित करने का प्रयास।
IV	**रसवाद औ..र नय रस**	भारती पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, फैजाबाद	2014	978–93–81797–55–6	भारतीय साहित्य–जगत् की अमूल्य निधि 'रसवाद' को युगवांछा के अनुरूप नवीनीकृत करने हेतु 'अपराध की विवेचना सह दण्ड–विधान' वाले रसबोध के लिए 'नय' रस नाम्नी नवीन काव्यरस प्रस्तावित।
V	**उभरते बिम्ब**	सरिता लोकसेवा संस्थान, सुल्तानपुर	2013	978–93–82180–04–3	कहानी–संग्रह
VI	**साहित्यिक तुला पर वाल्मीकि रामायण**	अवध–अर्चना प्रकाशन फैजाबाद	2012	–	राष्ट्रवादी, नयवादी भारतीय मनीषा की कृति 'रामायणम्' की श्रेष्ठता का पौर्वात्य–पाश्चात्य साहित्यिक निकषों पर तुलनात्मक संस्थापन।
VII	**किर्चें**	अवध–अर्चना प्रकाशन फैजाबाद	2009	–	कविता–संग्रह
VIII	**हाशिये से**	अवध–अर्चना प्रकाशन फैजाबाद	1986	–	कविता–संग्रह
IX	**सूरज की आग**	अवध–अर्चना प्रकाशन फैजाबाद	1981	–	कहानी–संग्रह

.... 8 पर

(ग) शीघ्र प्रकाश्य पाण्डुलिपित कृतियों का वैशिष्ट्य

क्र0 सं0	पाण्डुलिपित कृति	वर्ण्य विषय
1-	**वाल्मीकीय राम पर आक्षेप :कितने अनुचित कितने उचित**	पूर्वार्चिक : 1.प्रस्तावना, 2. राम पर प्रथम आक्षेप : ताड़का–वध, 3. राम पर द्वितीय आक्षेप : खर से कायरतापूर्वक युद्ध, 4. राम पर तृतीय आक्षेप : परोक्ष/छद्म युद्ध में बालि–वध, 5. राम पर चतुर्थ आक्षेप : निर्दोष सीता का निर्वासन, 6. राम पर पंचम् आक्षेप : शूद्र शम्बूक का वध उत्तरार्चिक : 7. वाल्मीकि के राम
2-	**भारतीय राष्ट्रवाद : एक विशिष्ट विमर्श**	पूर्वार्चिक : 1. भारत औ...र भारतीयता, 2. भारतीय राष्ट्रवाद का क ख ग...., 3. राष्ट्रवाद औ..र इतिहास,, 4. राष्ट्रवाद औ..र शिक्षा, 5. राष्ट्रवाद औ..र भाषा, 6. राष्ट्रवाद औ..र साहित्य, 7. राष्ट्रवाद औ..र संस्कृति, 8. राष्ट्रवाद औ..र वैश्वीकरण उत्तरार्चिक : 9. उपसंहार
3-	**भारतीय राष्ट्रवाद : क्या, क्यों, कैसे**	पूर्वार्चिक : 1. भारतीय राष्ट्रवाद का क ख ग...., 2. अधुना मनीषी औ..र राष्ट्रवाद, 3. राष्ट्रवाद क्यों 4. राष्ट्रवाद कैसे उत्तरार्चिक : 5. राष्ट्रवाद औ..र भारतमाता की जय
4-	**आदि–महाकवि वाल्मीकि के 10 अप्रतिम साहित्यिक अवदान**	पूर्वार्चिक : 1. आदि–महाकवि : प्रथम महान् काव्यकार, 2. प्रथम मानववादी महाकवि, 3. प्रथम लोकवादी महाकवि, 4. प्रथम नारीवादी महाकवि, 5. प्रथम बिम्बवादी महाकवि, 6. प्रथम प्रकृतिवादी महाकवि, 7. प्रथम मनोवैज्ञानिक महाकवि, 8. प्रथम नयवादी महाकवि, 9. प्रथम नय–रसवादी महाकवि 10. प्रथम राष्ट्रवादी महाकवि उत्तरार्चिक : उपसंहार
5-	**भारतीय संस्कृति के आदि–महागायक वाल्मीकि का कालखण्ड**	पूर्वार्चिक : 1. भारतीय संस्कृति के सुगठन का कालखण्ड, 2. ऐतिहासिक आधार औ...र वाल्मीकीय कालखण्ड, 2. वाङ्मयिक आधार औ...र वाल्मीकीय कालखण्ड, 3. नृतत्त्व विज्ञान के आधार औ...र वाल्मीकीय कालखण्ड, 4. पुरातात्त्विक आधार औ...र वाल्मीकीय कालखण्ड, 5. खगोलीय साक्ष्य औ...र वाल्मीकीय कालखण्ड उत्तरार्चिक : उपसंहार
6-	**भारतीय शिक्षा व्यवस्था : सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष**	पूर्वार्चिक : 1. शिक्षा का विन्यास, 2. भारतीय शिक्षाविद् और शिक्षा, 3. शिक्षा और भाषा 4.शिक्षा और साहित्य, 5. शिक्षा और संस्कार, 6. शिक्षा और समाज, 7. शिक्षा और धर्मनिरपेक्षता, 8. शिक्षा और मदरसा शिक्षा, 9. राष्ट्रवादी शिक्षा, उत्तरार्चिक : भारतीय शिक्षा व्यवस्था : करणीय सुधार
7-	**विश्वविजय के पथ पर हिन्दी**	पूर्वार्चिक : 1. हिन्दी का वैशिष्ट्य, 2. सम्पर्क भाषा और राष्ट्रभाषा, 3. राजभाषा पद के लिए सक्षम हिन्दी, 4. विश्व–विजय के पथ पर हिन्दी उत्तरार्चिक : 5. मनीषियों की दृष्टि में हिन्दी
8-	**आवाज**	ज्ञापन सह आलेख संग्रह
9-	**दर्पण तीरे**	गजल–हिन्दी गजल संग्रह
10-	**मुट्ठी भर आकाश**	अकविता–संग्रह
11-	**गीत तुम्हारे नाम**	गीत–अगीत–नवगीत संग्रह
12-	**टुकड़े–टुकड़े**	लघुकथा–संग्रह

(घ) प्रकाशित प्रमुख सहलेखित कृतियों में मौलिक लिखित आलेख का विवरण

क्र0 सं0	कृति का नाम	प्रकाशक	प्रकाशन वर्ष	सहलेखक का नाम	आलेख का शीर्षक	अन्य विशेष विवरण
I	आधुनिक भारतीय शिक्षा : एक विवेचन ISBN : 2017 978938218014–2	सरिता लोकसेवा संस्थान, सुल्तानपुर	2017	डॉ० गौरीशंकर पाण्डेय एवं 18 अन्य लेखक	भारतीय राष्ट्रीय शिक्षानीति : एक सैद्धान्तिक विवेचन	शिक्षा के विविध आयाम विवेचित, शिक्षा–नीति हेतु राष्ट्रीय दृष्टि प्रस्तुत।
II	महिला हिंसा का अन्त : dy]vkt vkSdy (बीजिंग + 20 के अवसर पर प्रकाशित) ISBN : 2015 978938121296–7	भारती पब्लिकेशन ubZnYyh	2015	अपर्णा दीक्षित, डॉ० विद्या सिंह एवं 17 अन्य लेखकगण	महिला हिंसा : कल,आज और कल	महिला हिंसा के विविध आयामों, कारणों की विशद विवेचना के साथ उनके निवारण हेतु सुझाव सुझावित।

.... 9 पर

(ङ) रचनात्मकता के विशिष्ट प्रक्षेत्र

(ङ–1) साहित्यिक प्रक्षेत्र

• **लेखनारम्भ** : 1964–65 से साहित्यिक लेखनारम्भ। 1965 से साप्ताहिक 'विचारभारती' (गोण्डा) से **पत्रकारिता** के क्षेत्र में **प्रवेश**। जी०वी०एम० इण्टर कालेज की पत्रिका '**ज्योति**' (1965–66) में **प्रथम रचना** (आलेख) मूल नाम **'विजय प्रताप सिंह' से प्रकाशित**।

• **स्फुट प्रकाशन** : नवजीवन, कुबेर टाइम्स, जनमोर्चा, चौथी दुनिया, जे०वी०जी० टाइम्स, गाण्डीव, स्वतंत्र भारत, नवभारत टाइम्स, दैनिक जागरण, आज, अमृत प्रभात, नए लोग, साकेत शोभा, विश्वसेतु, आज की सभ्यता, टाण्डा–दर्पण, युगगति, जनसंदेश टाइम्स, अवध–अर्चना आदि समाचारपत्र **एवं** भारतीय रेल, उत्तर प्रदेश, योजना, नूतन कहानियाँ, भाषा, साहित्य भारती, छायाकार, विवेकवाणी, फिल्मी दुनिया, सूरज, अमिता, ज्ञानवापी, मंगलदीप, सुवर्णी, तुलसीदल, समकालीन अभिव्यक्ति, समान्तर, युवारश्मि, शब्दशिखर, इन्दुप्रभा, मरुगुलशन, अक्षरपर्व, शिक्षा–साहित्य, शुक्रवार, स्वतंत्र भारत सुमन, पूर्वापर, अभिनव प्रसंगवश, मानस संगम, खोज, सोच विचार, वागर्थ, साहित्य अमृत, राष्ट्रभाषा सन्देश, मधुमती, कंचनलता, अवध–अर्चना त्रैमा०, प्राची, स्पाइल (नार्वे), मंगलप्रभा, ग्रामोदय सुरभि, लोकमंगल, चिन्तन सृजन आदि **शताधिक** पत्र–पत्रिकाओं में **लघुकथा, कहानी, आलेख, कविता, समीक्षा, रिपोर्ताज**, **फीचर** आदि विभिन्न विधाओं की 470 से अधिक रचनाएँ प्रकाशित।

पत्रिका अक्षरा, हरिगंधा, कथादेश, बहुवचन, गवेषणा, मंथन, गाँधी मार्ग, नई धारा, विपाशा, आधारशिला, भारतीय धरोहर, आह्वान, परिकथा, कादम्बिनी, विश्वगाथा, नवनीत, आक्रोश, हिमालिनी (काठमाण्डू), विश्वा (अमेरिका), पुरवाई (लंदन), प्रयास (कनाडा) आदि में अधिक रचनाएँ **प्रकाशनार्थ** प्रेषित/विचाराधीन।

• **पत्रकारिता** : 1965 से साप्ताहिक 'विचारभारती' से पत्रकारिता आरम्भ।
1970–75 फैजाबाद के साप्ताहिक, दैनिक पत्रों से सम्बद्ध।
1976–89 अवध–अर्चना साप्ताहिक/मासिक का प्रकाशन।
1995 से अद्यतन अवध–अर्चना त्रैमासिक का प्रकाशन, अद्यतन गतिमान। कृपया संलग्नक जीवन वृत्त पृ० देखें।

साहित्यिक कृतियाँ–

• **प्रकाशित** : कविता–संग्रह : **हाशिये से** (1986), **किर्चें** 2009
कहानी–संग्रह : **सूरज की आग** (1981), **उभरते बिम्ब** (2003)
समालोचना कृति : **साहित्यिक तुला पर वाल्मीकि–रामायण** (2012)
रसवाद औ...र नयरस (2014)
कविता का पश्यन्ती निकष : नयत्व (2014)
कविता क्या है (2015)

• **स्वरचित पाण्डुलिपित** : **1. टुकड़े–टुकड़े** (लघुकथा संग्रह), **2. गीत तुम्हारे नाम** (गीत–नवगीत संग्रह)
3. दर्पण तीरे (गजल–हिन्दी गजल संग्रह), **4. मुट्ठी भर आकाश** (अकविता संग्रह)

• **प्रणयन गतिमान** : कुल 21 साहित्यिक कृतियाँ (देखें जीवनवृत्त का पृ० 1–2, कृति–क्रमांक 8 से अंत तक)।

• **सम्पादित** : प्रकाशित : 2 साहित्यिक कृतियाँ, देखें जीवनवृत्त का पृ० 2
पाण्डुलिपित : 5 " "

• सहलेखित प्रकाशित कृतियाँ : 4 " "

• **आकाशवाणी प्रसारण** : 1977–1985 आकाशवाणी लखनऊ से अनेक कविताएँ प्रसारित। 1996–2019 आकाशवाणी फैजाबाद से कविता, कहानी, 'साहित्य और सेवायोजन' सदृश आलेख प्रसारित।

• **कवि–सम्मेलन** : विभिन्न नगरों में साहित्यिक मंचों से कविता–पाठ।

• **व्याख्यान–आलेख** :

1. वर्ष 1997 :'साहित्य परिषद का० सु० साकेत पी० जी० महाविद्यालय फैजाबाद में '**तुलसी का जीवन–दर्शन**' विषय पर।
2. वर्ष 1997 : अवध–अर्चना प्रकाशन फैजाबाद के तत्त्वावधान में प्रेस–क्लब फैजाबाद में '**गजल और हिन्दी गजल**' विषय पर।
3. वर्ष 2006 : कबीर संस्थान जीयनपुर में '**कबीर आज भी उपयोगी**' विषय पर।
4. वर्ष 2008 : अवध–अर्चना प्रकाशन फैजाबाद के तत्त्वावधान में फैजाबाद में '**आज का दौर और कविता**' विषय पर।
5. वर्ष 2014 : कथा समवेत-संवाद समारोह,सुल्तानपुर में '**समय, समाज और हिन्दी कहानी**' विषय पर।
6. वर्ष 2015 : फैजाबाद पुस्तक मेला में ग्रेटर रोटरी क्लब के तत्वावधान में **लघुकथा–लेखन**' विषय पर।
7. वर्ष 2019 : डॉ०राम मनोहर लोहिया अवध–विश्वविद्यालय, फैजाबाद में डॉ०राम मनोहर लोहिया अवध–विश्वविद्यालय, फैजाबाद–अयोध्या (उ०प्र०) और कौण्डिन्य साहित्य सेवा समिति, सुल्तानपुर के तत्त्वावधान में '**अभिज्ञानशाकुन्तलम् और कामायनी के तुलनात्मक संदर्भ**' विषय पर।

(ङ–2) भाषिक प्रक्षेत्र

• **भाषा सम्बन्धी आलेखों का स्फुट प्रकाशन** : अवध–अर्चना, अवध–ज्योति में प्रकाशित।
आलेख इन्दु संचेतना (चीन), राजभाषा भारती आदि में **प्रकाशनार्थ** प्रेषित/विचाराधीन।

• **कृति पाण्डुलिपित** : '**विश्व–विजय पथ पर हिन्दी**' (शीघ्र प्रकाश्य)।

• **ज्ञापन** : हिन्दी को राजभाषा बनाने के लिए ज्ञापन भारत सरकार के विभिन्न प्राधिकारियों यथा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्री आदि को प्रेषित।

• **व्याख्यान** : **1.** वर्ष 2008 : अवधभारती हैदरगढ़ बाराबंकी में '**अवधी भाषासाहित्य : विविध संदर्भ**' विषय पर।
2. वर्ष 2016 : साहित्य मण्डल श्रीनाथद्वारा, राजस्थान के समारोह में '**भारतीय संस्कृति की संवाहक विश्वभाषा हिन्दी तथा उसका राजभाषा स्वरूप**' विषय पर।

(ङ–3) सांस्कृतिक प्रक्षेत्र

• **संस्कृति विषयक गम्भीर अध्ययन का आरम्भ : वर्ष 1985 से।**

• **स्फुट प्रकाशन :** दैनिक अमृत प्रभात (आलेख–शीर्षक : '**धर्म और धार्मिक उन्माद में अन्तर है**', प्रकाशन–दिनांक 27 अक्टूबर 1987), अवध–अर्चना त्रैमासिक में 12 आलेख, तुलसीदल में 2 आलेख, रामायणीयम्, खोज, राष्ट्रभाषा सन्देश आदि में सांस्कृतिक मूल्यमान, सांस्कृतिक अनुष्ठान : रामायण मेला, सांस्कृतिक केन्द्र : अयोध्या, संस्कृति–पुरुष श्रीराम, सांस्कृतिक मूल्यों के गायक महाकवि वाल्मीकि एवं संस्कृति के अंग : धर्म, इतिहास आदि से सम्बन्धित 18 आलेख प्रकाशित।

पत्रिका साहित्य अमृत, अक्षरा, सम्मेलन पत्रिका आदि में विविध आलेख **प्रकाशनार्थ** प्रेषित/विचाराधीन।

• **कृतियाँ**–

– स्वरचित/मौलिक पाण्डुलिपित (शीघ्र प्रकाश्य) : '**वाल्मीकीय राम पर आक्षेप : कितने अनुचित कितने उचित**'
– सम्पादित पाण्डुलिपित : '**ज्योतिपुंज विवेकानन्द**'
– प्रणयन गतिमान : • '**अयोध्या के बहाने से**'
• '**भारतीय संस्कृति : एक दृष्टि यह भी**'
• '**हिन्दू संस्कृति सर्वश्रेष्ठ क्यों**'
• '**भारतीय संस्कृति के आदि–महागायक वाल्मीकि का कालखण्ड**'

• संगोष्ठी–व्याख्यान :
– '**भारतीय इतिहास का विकृतिकरण**' विषय पर वर्ष 2003 : डॉ०रा०म०लो०अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद
– '**वाल्मीकि के राम**' विषय पर : वर्ष 2012 : रामकथा संग्रहालय, अयोध्या

(ङ–4) भारत, भारतीयता से सम्बन्धित प्रक्षेत्र

• **सम्बन्धित प्रक्षेत्र में विशिष्ट अध्ययन का आरम्भ** : वर्ष 2014 से

• **स्फुट प्रकाशन :**

– दै०जनमोर्चा में आलेख : शीर्षक :'**रामराज्य हेतु ग्राम–गणराज्य की संस्थापना आवश्यक**' प्रकाशित दि० 14/4/1989
– अवध–अर्चना त्रैमासिक में भारत–विषयक 9 आलेख प्रकाशित।
– चिन्तन–सृजन (त्रैमा०, आस्था भारती, दिल्ली), अंक 2 वर्ष 14 में आलेख : शीर्षक : '**भारतमाता की जय : एक विमर्श**', प्रकाशन–वर्ष 2016
– मंगलप्रभा में आलेख : शीर्षक : '**राष्ट्र और राष्ट्रवाद**', प्रकाशन–वर्ष 2017।
–ग्रामोदय सुरभि में आलेख : शीर्षक : '**राष्ट्रवाद और वैश्वीकरण**', प्रकाशन–वर्ष 2018

पत्रिका द्वीपलहरी, गगनांचल, आजकल, पुरवाई, विश्वा, भारत–दर्शन, मंथन, प्रयास, प्रवासी जगत् आदि में विविध आलेख **प्रकाशनार्थ** प्रेषित/विचाराधीन।

• **कृतियाँ**–

– प्रकाशित (2019) : '**क्या है भारत क्या है भारतीयता**'
– पाण्डुलिपित (शीघ्र प्रकाश्य) : • '**भारतीय राष्ट्रवाद : एक विशिष्ट विमर्श**'
• '**भारतीय राष्ट्रवाद : क्या, क्यों, कैसे**'
– प्रणयन गतिमान : • '**राष्ट्रवाद औ...र हमारे राजनेता**'
• **भारतीय न्यायशास्त्र : सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष**

• संगोष्ठी–व्याख्यान : • '**राष्ट्रवाद आवश्यक क्यों**' विषय पर : 9 सितम्बर 2018 : अवध–अर्चना कार्यालय पर।
• '**राष्ट्रवाद की प्रासंगिकता**' विषय पर 25 दिसम्बर 2018 : मा० अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती पर : राजा मोहन मनूचा गर्ल्स पी०जी०कालेज फैजाबाद में।
• '**भारतीय राष्ट्रवाद**' विषय पर : 23 फर० 2020 : लखनऊ वि०वि० के 'भारतीय भाषा महोत्सव 2020' के राष्ट्रीय सम्मेलन में।

(ङ–5) शैक्षिक प्रक्षेत्र

• **स्फुट प्रकाशन** : त्रैमासिक अवध–अर्चना में राष्ट्रीय शिक्षा–नीति सम्बन्धी अनेक आलेख प्रकाशित। पत्रिका 'शैक्षिक उन्मेष', 'जनसंदेश टाइम्स' आदि में शिक्षा विषयक अनेक आलेख प्रेषित/विचाराधीन।

• **कृतियाँ** –

– सहलेखित प्रकाशित : '**आधुनिक भारतीय शिक्षा : एक विवेचन**' : सम्पा० डॉ० गौरीशंकर पाण्डेय (कृति में '**भारतीय राष्ट्रीय शिक्षानीति : एक सैद्धान्तिक विवेचन**' शीर्षक से प्रथम आलेख)

– स्वरचित/मौलिक कृति पाण्डुलिपित :'**भारतीय शिक्षा–व्यवस्था : सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक पक्ष**'

(ङ–6) सामाजिक प्रक्षेत्र

• **स्फुट प्रकाशन** :

– सामाजिक कुरीति, अनाचार–उत्पीड़न आदि के तिरोहण एवं सामाजिक उन्नयन सम्बन्धी अनेक कहानियाँ, कविताएँ, आलेख, लघुकथा विरचित, विभिन्न साहित्यिक कृतियों में संगृहीत, अनेक प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित।

पत्रिका बहुवचन, हरिगंधा, साहित्य भारती, विपाशा, अक्षरा, गाँधी मार्ग आदि में समाजोन्नयन से सम्बन्धित अनेक आलेख, कहानी, लघुकथा आदि **प्रकाशनार्थ** प्रेषित/विचाराधीन।

– पत्रिका 'अवध–अर्चना' त्रैमा० के पचासेक आलेख समाजोन्नयन हेतु समर्पित।

– सम्पूर्ण पत्रकारिता सामाजिक अनाचार, भ्रष्टाचार, उत्पीड़न आदि के प्रतिरोध हेतु समर्पित।

• **कृतियाँ**–

– सहलेखित प्रकाशित : '**महिला हिंसा का अंत : कल, आज और कल**' : सम्पा० डॉ० प्रत्यूष गुंजन, दिल्ली (कृति में '**महिला हिंसा : कल, आज और कल**' शीर्षक से प्रथम आलेख)

– पाण्डुलिपित मौलिक/स्वरचित (शीघ्र प्रकाश्य) : '**आवाज**' (ज्ञापन सह आलेख–संग्रह)

– पाण्डुलिपित संपादित : • **अप्रतिम समाजवादी आचार्य नरेन्द्रदेव**
• **भारतीय समाजवादी आन्दोलन के शक्तिपुंज**
• **गाँधी सर्वदा प्रासंगिक**

– प्रणयन गतिमान : • '**कायस्थ कौन**'
• '**आतंकवाद : कारण और निवारण**'

• **व्याख्यान** : वर्ष 2000 में डॉ०राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद में '**सामाजिक विकास में विधि का योगदान**' विषय पर।

• **अतिरिक्त कृतित्व** :

– 1975–'80 जनपद फैजाबाद में अनेक सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय।

– सत्र 1982–'86 में ग्रामसभा बनगवाँ तिल्खी, विकासखण्ड बभनजोत, जनपद गोण्डा में ग्रामसभा के निर्वाचित ग्राम–प्रधान के रूप में अनेक विकासकार्य निष्पन्न।

– 1985–अद्यतन अधिवक्ता के रूप में श्रमिक कल्याण हेतु अनेक गरीब श्रमिकों के पक्ष में निःशुल्क अधिवक्ता–कार्य एवं परामर्श

– 1989 में अधिवक्ता–हड़ताल जनपद फैजाबाद के विरुद्ध अभियान। आलेख–लेखन, प्रकाशन। दीवानी न्यायालय में वाद संस्थित। न्यायालय से अन्तरिम निषेधाज्ञा आदेश वादी (विजय रंजन) के पक्ष में पारित।

– 2012 में ग्राम बनगवाँ निकट गौराचौकी जनपद गोण्डा एवं आस–पास के समग्र शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास हेतु न्यास 'बाबू भैरवप्रसाद स्मारक न्यास' का गठन। न्यास में निजी पैतृक सम्पत्तियों का विनिवेशन। न्यास का अद्यतन संचालन।

कृपया पृष्ठ उलटिए

(च) **कृतियाँ औ..र रचना–दृष्टि**

साहित्य की बहुमान्य परिभाषा है 'सहित् भाव साहित्यम्'। ले..कि..न, हित किसका ? कैसे ? किस रूप में ?– ऐसे प्रश्नों की सम्यक् विवेचना से स्पष्ट है कि उसी अक्षर–आराधना को 'साहित्य' की संज्ञा दी जा सकती है जिसमें लोकहितवादी नैतिकता सह नैतिकतावादी लोकहित, राष्ट्रहित, सात्त्विक ज्ञानार्चन, सांस्कारिक सरोकार और मानवीय संवेदना वाचाल हो; जो न केवल व्यवहारविदे एवम् शिवेतर–क्षति को अपितु प्रादुष्कृतमन्यथा को साकार कर सके। इसी दृष्टि से कृतिकार की कविताएँ (गीत, नवगीत, अगीत, गजल, हिन्दी गजल, मुक्तक) हों या कहानी, लघुकथा, उपन्यास (अपूर्ण) या समीक्षा, समालोचना के शोध–आलेख आदि––– सभी में लोकयात्रा–सुप्रवर्तन के मानवीय एवं भारतीय राष्ट्रीय सरोकार वाले सत् , शिव, सार्वसुन्दरम् की तलाश गुंजरित है।

उपर्युक्त आधारों पर काव्य–जगत् में वर्तमानतः उपेक्षित परन्तु **अति महत्त्वशील**, राष्ट्रवादी, लोकवादी, नयवादी **भारतीय मनीषी** आदि–महाकवि **वाल्मीकि** के **अवदानों की खोज** के प्रयासों का फलित हैं कृतियाँ '**साहित्यिक तुला पर वाल्मीकि रामायण**' (प्रकाशित) तथा **आदि–महाकवि वाल्मीकि के 10 अप्रतिम साहित्यिक अवदान**'(शीघ्र प्रकाश्य)।

औ..र, 'खीरा सिर तें काटिए......' सदृश नयपरक दोहे आदि को आधार बनाकर तद्गत व्याप्त '**अपराध की विवेचना** सह **दण्ड–प्रदान के निर्देश**' वाले **रस–बोध** के लिए '**नय रस**' नाम्नी '**नवीन रस की प्रस्थापना**' प्रस्तावित की मैंने कृति '**रसवाद औ..र नय रस**' में; जिससे **भारतीय साहित्य–जगत् की अमूल्य निधि** '**रसवाद**' को युगवांछा के अनुरूप **नवीनीकृत** किया जा सके।

इसीतरह **हिन्दी–समालोचना जगत् में वर्तमान में विस्मृत कर दिए गए प्राचीन भारतीय निकष** '**नय**' **को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता रेखांकित** है कृति '**कविता का पश्यन्ती निकष : नयत्व**' में।

औ...र, कविता ही नहीं, अपितु समस्त काव्य–विधाओं के लिए '**सारस्वत उद्‌भावना से जुड़ाव** का प्रस्ताव' कृति '**कविता क्या है**' में प्रस्तावित किया गया है। साथ ही **भारतीय साहित्यिक अपेक्षाओं के समानुरूप** कविता/गद्य साहित्य की एक **नवीन परिभाषा** भी प्रस्तावित की गई है।

कृति '**क्या है भारत क्या है भारतीयता**' में 'भारत' नाम के अर्थ–विन्यास तथा भारत–नामकरण के आधारों के साथ **भारतीयता को परिभाषित किया गया है।** कृति में **भारतीयता का मूलाधार देवी भारती के गुण–धर्म को रेखायित किया गया है, जिनके अभाव में भारत का कोई भी रहवासी भारतीय नहीं हो सकता।** कृति में **भारत का प्राचीन राष्ट्रत्व**, **भारतीय राष्ट्रीय चरित्र**, **भारत का वास्तविक स्वरूप** आदि भी उकेरित है।

कृति '**वाल्मीकीय राम पर आक्षेप : कितने अनुचित कितने उचित**' में वाल्मीकीय राम पर लगाए जाने वाले पाँच आक्षेपों के औचित्य–अनौचित्य की तर्कपूर्ण विवेचना करके **राष्ट्रीय–सामाजिक समरसता को विभंजित करने वाली लोक–व्याप्त भ्रान्तियों को निर्मूल** करने का प्रयास किया गया है।

ऐसे ही प्रयास शीघ्र प्रकाश्य कृति '**आदि–महाकवि का कालखण्ड**' तथा '**भारतीय शिक्षा व्यवस्था : सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष**' में भी प्रयासित हैं।

औ..र, राष्ट्रवाद सम्बन्धी लोककल्याणक प्रत्यय में वर्तमानतः व्याप्त भ्रान्तियों के निर्मूलन के साथ–साथ सात्त्विक भारती+य राष्ट्रवाद की सुस्थापना हेतु शीघ्र प्रकाश्य **2 कृतियाँ** : 1. '**भारतीय राष्ट्रवाद : एक विशिष्ट विमर्श**' 2. '**भारतीय राष्ट्रवाद : क्या, क्यों, कैसे**' विरचित हैं। इन कृतियों में यूरोपीय राष्ट्रवाद से भारतीय राष्ट्रवाद की **प्राचीनतरता** को वाङ्मयिक आधारों पर रूपायित करते हुए **भारतीय राष्ट्रवाद के विविध पक्षों को सविस्तार विवेचित** किया गया है।

साहित्य हो या लोकयात्रा–प्रवर्त्तन के अन्यान्य उपक्रम, भारतीय साहित्यसेवी के लिए देवी भारती के '**भारती+त्व**', '**भा+रतत्व**', '**भारतीयता–समग्र**', '**भारतीय राष्ट्रवाद**' और '**राष्ट्रहित–संवर्द्धन**' की भावना से भावित होना आवश्यक है। तेनेव, समालोचनात्मक कृतियाँ हों या कहानी, कविता, समीक्षा, उपन्यास आदि और पत्रिका **अवध–अर्चना** का संपादकीय एवम् अवध–अर्चना के विशिष्ट अंकों के प्रकाशन–परिप्रेक्ष्य में भी कृतिकार की यही दृष्टि सर्वत्र प्रयाणशील दृष्टिगोचर होती है। — **प्रस्तुति : डॉ० निरुपमा श्रीवास्तव, प्र० सम्पा० अवध–अर्चना फैजाबाद**